लखनऊ
amarujala.com मंगलवार, 21 मार्च 2017

अमर उजाला

कृषि मेला में आईआईएसआर को मिला प्रथम पुरस्कार

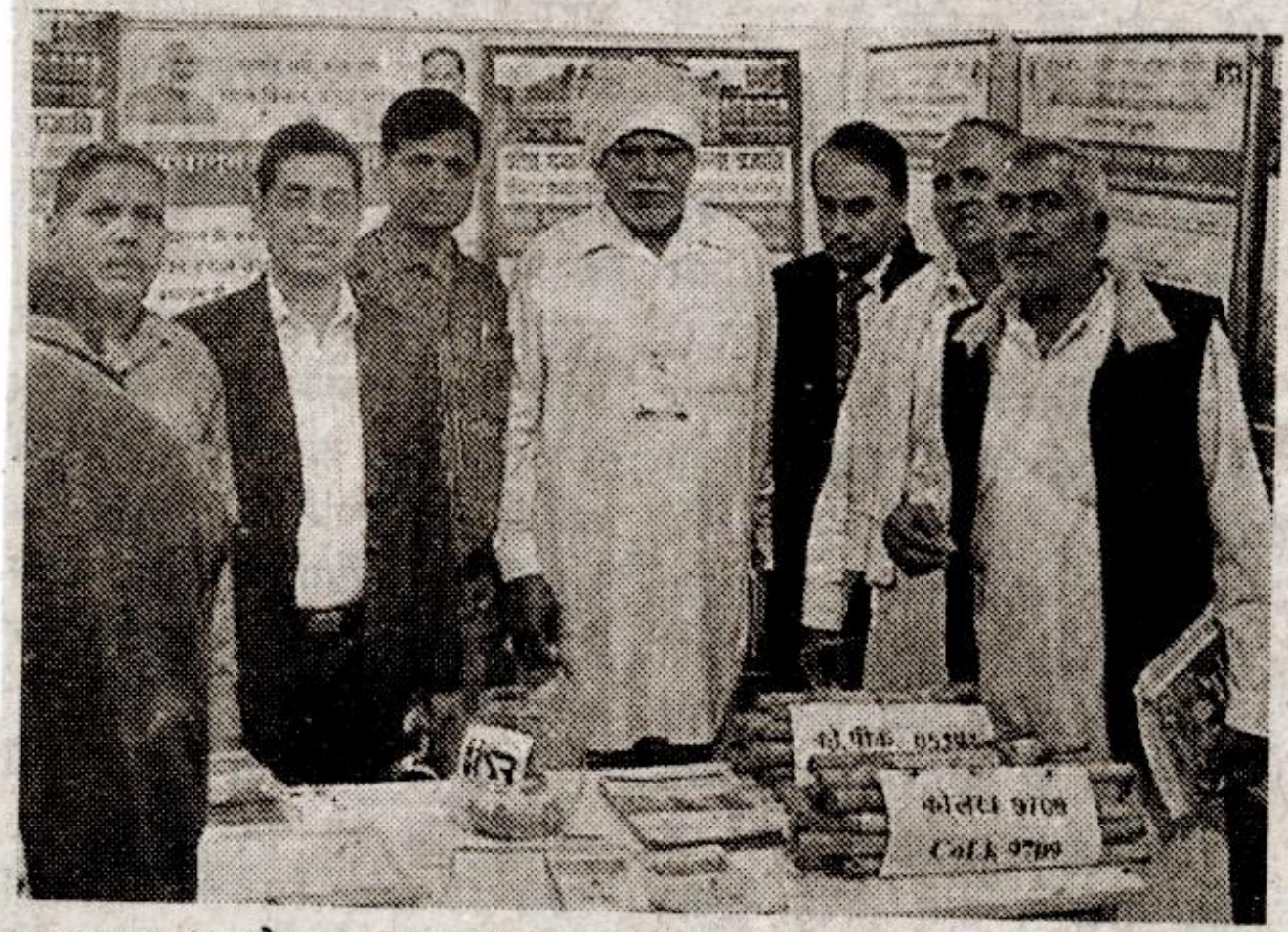

लखनऊ (ब्यूरो)। नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय उन्नति कृषि मेला में बेस्ट स्टॉल के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ शुगरकेन रिसर्च (आईआईएसआर) लखनऊ को प्रथम पुरस्कार मिला है। आईआईएसआर के प्रभारी प्रसार व प्रशिक्षण डॉ. एके साह ने यह पुरस्कार सचिव कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय एसके पटनायक से ग्रहण किया। वहीं, संस्थान की मदद से नई तकनीक अपनाकर गन्ना का उत्पादन 200 टन प्रति हेक्टेयर करने वाले सीतापुर के बिसवां निवासी किसान रूपाला और आदित्यनाथ को अभिनव कृषक पुरस्कार प्रदान किया गया। मेले का आयोजन केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने किया था।

जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, मंगलवार, 21 मार्च, 2017

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित गन्ना उत्पादन तकनीकों पर आयोजित प्रदर्शनी स्टाल को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उन्नति कृषि मेला, नई दिल्ली में शोध संस्थानों की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार दिया गया। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ एके साह, प्रभारी-प्रसार व प्रशिक्षण विभाग ने संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए यह पुरस्कार नई दिल्ली में राष्ट्रीय कृषि मेला के समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव एसके पटनायक से प्राप्त किया। वहीं संस्थान द्वारा मनोनित किसान आदित्य नाथ सिंह, बिसवाँ (सीतापुर) को मेला के समापन समारोह में अभिनव कृषक पुरस्कार मुख्य अतिथि रूपाला द्वारा प्रदान किया गया। आदित्य नाथ को संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों को अपनाकर 200 टन/हे. से ज्यादा गन्ना उपज प्राप्त करने हेतु यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान को दिल्ली में आयोजित समारोह में मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

राष्ट्रीय कृषि उन्नति मेला, दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान परिसर में मार्च 15 से 17 तक आयोजित किया गया था। इस मेला का उद्घाटन कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार राधा मोहन सिंह द्वारा किया गया था। समापन समारोह में परषोत्तम रूपाला, कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, केन्द्र सरकार मुख्य अतिथि थे। संस्थान द्वारा डॉ साह के नेतृत्व में गन्ना तकनीकों पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। जिसमें गन्ना बीज, बुआई विधियां, समेकित नाशी कीट प्रबंधन, गुड़ उत्पादन, गन्ना मशीनों तथा गन्ना के साथ अन्तः फसल उत्पादन को बहुत ही रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया था। तीन दिनों में विशिष्ट अतिथियों के अतिरिक्त लगभग 10,000 किसानों ने तकनीकों को देखा तथा पसंद किया। स्टाल पर किसानों को गन्ना खेती से संबंधित तकनीकी जानकारी भी दी गयी, जिसे मेला समिति के लोगों ने सराहा। *कासं.*

the pioneer
LUCKNOW | TUESDAY | MARCH 21, 2017

Innovative showcasing of cane tech brings laurels to institute

PIONEER NEWS SERVICE ■ LUCKNOW

The innovative showcasing of sugarcane technologies in the national exhibition organised at the recently-held Unnati Krishi Mela at IARI, New Delhi, has brought laurels to the Institute. The Institute's exhibition stall was adjudged as the best in the ICAR Research Institutes' category. Dr AK Sah, Principal Scientist and representative of IISR in the event, received the best stall award in the valedictory function of the mela on March 17, 2017, from SK Patnayak, Secretary, Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, Government of India. The Director of the Institute, Dr AD Pathak, congratulated Dr Sah and his team comprising Nar Singh, YP Singh and Sudhir Kumar for this prestigious award.

Unnati Krishi Mela was organised by the Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, Government of India, from March 15-17, 2017, on the IARI Campus, New Delhi. The Mela was inaugurated by the Union Minister of Agriculture and Farmers' Welfare, Radha Mohan Singh. In its valedictory function Purshottam Rupala, Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare, Government of India, was the chief guest.

The Mela attracted more than 10,000 farmers in three days at the Institute's stall and they interacted on cane production technologies displayed in the stall through exhibits like specimen, model, live material, posters etc. The dignitaries also appreciated the efforts of IISR in organising stalls in an innovative way for the larger benefit of the farmers.

The sugarcane farmer nominated by IISR, Aditya Nath Singh, from Biswan in Sitapur also received the innovative farmer award from the chief guest, Purshottam Rupala , Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare, Government of India, in the valedictory function of the Mela. He adopted the cane technologies as suggested by the IISR scientist and got a cane yield of more than 200 tonnes per hectare.